

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 3]

नई बिल्ली, शतिवार, जनवरी 21, 1989 (माघ 1, 1910)

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 21, 1989 (MAGHA 1, 1910)

इस भाग में जिल्ल पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अवाज संग्राजन के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग ।।।--खण्य 4

[PART III—SECTION 4]

सांधिधिक निकामों हारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं किसमें कि आदेश, विकापन और सूचनाएं सम्बिन्ति हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies!

भारतीय रिजर्व बैंक लोक ऋण कार्यालय ग्रौद्योगिक विस्त निगम बाँड बम्बई-400001, दिनांक 6 जनवरी 1989

सं० एल० एन०/विशेष-2-श्रीद्योगिक वित्स निगम प्रधिनियम 1948 (1948 का XV) के खण्ड 43 के अन्तर्गत बनायी गयी घोष्योगिक वित्त (बांड निर्गम) विनियमावली 1949 के विनियम 10 के अनुसरण में दिनां 5 31 दिसम्बर 1988 को समाप्त होने वाली छःमाही के लिए गुम, नष्ट हुए हादि बांग्डों की निम्नलिखित सूची इसके साथ प्रकाशित की जा रही है, जिनके संबंध में प्रथम दृष्ट्या यह मानने के लिए आधार है कि वे बांड खोगये हैं और प्रावेदक का दावा न्यायसंगत है। जिन्द बवेदारों के नाम नीचे दिये गये हैं उनसे भिन्न यदि किसी व्यक्ति को इन बांडों पर कोई भी दावा करना है, तो वे प्रबन्धक, भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालयं, बम्बई-400001 से तत्काल सम्पर्क करें। यह सूची दो भागों में विभाजित की गयी है। भाग "क"--उन प्रतिभूतियों की सूची जिनका विज्ञापन पहली बार किया जा रहा है और

			·		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
बॉड संख्या	मूल्य रुपये	निम्नलिखित के नाम पर जारी	दिनांक से म्याज	जुकौती मूख्य के भुगतान के लिए दावेदार (रों) का/के नाम	जारी किये गये श्रादेशों की सं० श्रोर दिनांक	प्रकाशन की वह तिथि जब प्रति- भूति का पहले उस्लेख किया गया था
	: 33 4, 7 : 9					
				-		
			**	g"		
		5 } प्रति	रात श्रीद्योगिक विस्त	निगम बंडि 197	8	
बी वाई- 000635	1 0, 0 0 0/-	भारतीय रिज्बं बैंक	27-9-1976	दि म्रोश्यिग्टल इन्युरेंस कम्पनी लिमिटेंड	मामला सं० एल० 1684-संगुक्त प्रबन्धक के दिनांकः 19-3-86 के श्रादेश भीर केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 383- दिनांक 20-3-86	9-8-1986
ची वाई— 000636	1 0, 0 0 0/-	वही	ir	—वहीं—	बर्ही	9-8-1986
		6 স্ব	तेशत श्रीद्योगिक चित्त	'निगम बॉड 1986		
बीवाई-001808	5,000/~	भारतीय रिजर्व बै	কৈ 10-6-19 8	4 मुस्लिम को- श्रापरेटिव बैंक लिमिटेड, पूना	मामला सं० एल० 1880 संयुक्त प्रबन्धक के विनांक 25-7-86 के आदेश और केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 44, विनांक 26-7-86	14-3-1987
भारतीय रिज़र्व बैंग् लोक ऋण कार्याल पोस्ट बॉक्स सं०	य,				एस ०	एन० राजदान, प्रबन्धक

पोस्ट बॉक्स सं० 901, बम्बई-400 001

> दी इन्स्टीट्युट आफ चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स आफ इन्डिया नई दिल्ली-110002, विनांक 2 जनवरी 1989

सं० 28-ग्रार०सी० (4)/20/89—भार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स रेगूलेशन 1988 के रेगूलेशन 159(1) के अनुसरण में दि कांसिल ब्राफ दि इंस्टीट्यट ऑफ चार्टड एकाउन्टैन्ट्स ब्राफ इंडिया को 17 दिसम्बर, 1988 से वाराणसी में मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद् की शाखा स्थापित करने की सूचना देते हुए प्रसन्नता है।

यह शाखा मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद् की वाराणसी शाखा मानी जायेगी। रेगूलेशन 159(3) के अन्तर्गत जैसा कि निर्धारित है यह शाखा क्षेत्रीय परिषद् के माध्यम से परिषद् के नियन्त्रण, पर्यवेक्षण एवं निर्देशन में कार्य करेगी श्रीर सभी उन निर्देशों का पालन करेगी जो कि परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किये जायेंगे।

> एम० सी० नरसिम्हन, मचिष

वी इन्स्टीट्यूट श्राफ कास्ट एण्ड वमसं एकाउन्टेन्ट्स आफ इन्डिया

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1988

मं० 16-मी० डब्ल्यू० श्रार० (864-865)/88--दी कास्ट एण्ड वर्ष्म एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलंशन्स 1959 के विनियम 16 का श्रनुसरण कर यह श्रधिसूचित किया जाता है कि दी इन्स्टिच्यूट श्राफ कास्ट एण्ड वर्ष्म एकाउन्टेन्ट्स श्राफ इन्डिया के परिषद् ने कास्ट एण्ड वर्ष्म एकाउन्टेन्ट्स श्रीधिन्यम 1959 की धारा 20 की उपधारा (1) द्वारा दिये गये श्रधिकारों का प्रयोग करने हुए (1) श्री पी० के० राम, 17/21, दयानन्दा रोड दुर्गापुर-4 (सदस्यता संख्या एम/3364), 1 सितस्बर 1986 से प्रभावित (2) श्री पी० कुकरेटी, एन/5-सी, सालीमार बाग, दिल्ली-110052 (सदस्यता संख्या एम/3756) के नामों को उनकी मृत्यु के कारण 30 जून 1988 से सदस्य पंजिका से हटा दिया।

सं० 18-सी० डब्ल्यू० श्रार० (193)/88—वी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेसन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के विनियम 18 का श्रनुसरण कर यह श्रिध्नस्वित किया जाता है कि दी इन्-स्टिच्यूट श्रांफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स श्रांफ इन्डिया के परिषद् ने कहे हुए रेग्युलेशन्स के विनियम 17 हारा दिये गये श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री हर्गिशं केश घोप, 44, तिल ठाकुर बरी रोड, कलकता-700038 (सदस्यता संख्या एम/4434) के नाम को 30 सितम्बर 1988 से सदस्य पंजिका में पुन: स्थापित किया।

दिनांक 17 नवम्बर 88

सं० 18-सी० डब्ल्यू० श्राप्त (194)/88—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशस्स 1959 के विनियम 18 का श्रनुसरण कर यह श्रिध्सूचित किया जाता है कि वी इन-स्टिच्यूट श्रॉफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स श्रॉफ इन्डिया के परिपद् ने कहे हुए रेग्युलेशन्स के विनियम 17 द्वापा दिये गये श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए श्री धिरेन्द्र जयचन्द दोशी, बी०काम०, ए० श्राई० सी० इब्ल्यू० ए०, श्री गिरीश एपार्टमेन्ट, कल्यान रोड, वोमबिवली (ईस्ट) वस्वई-421201 (सदस्यता संख्या एम०/3898) के नाम की 7 नवस्वर 1988 से सदस्य पंजिका में पुन: स्थापित किया।

दिनांक 24 नवम्बर 1988

सं० 16-सी० डब्ल्यू० श्राप्त (866)/88--दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रंग्युलेशन्स 1959 के बिनियम 16 का श्रनुसरण कर यह श्रिधसूचित किया जाता है कि दी इन्स्टिच्यूट श्रॉफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स श्राफ इन्डिया के परिषद् ने कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स श्रिधिनियम 1959 की धारा 20 की उप धारा (1) हारा दिये गये श्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री आर० पी० चिदम्बरम्, 9बी- नेहरू रोड, मदुरई-625016 (सदस्यना संख्या एम/1073) के नाम को उनकी मृत्यु के कारण 24 जुलाई 1987 से सदस्य पंजिका से हटा दिया 1

मं० 11-सी० डब्ल्यु० श्रार० (114)/88—दो कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स 1959 के बिनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि थी ए० एस० अग्रवाल बी० एस-सी०, ए० श्राई० सी० डब्ल्यू० ए०, सी-4 डी०, डी० डी० ए० पलेट्स, मुनिरका, न्यू दिल्ली-110067 (सदस्यता संख्या एम/1756) के अभ्याम करने का श्रमाण-पत्न उनकी निर्जा प्रार्थना पर 19 श्रक्तूबर 1988 से 30 जून 1989 तक के लिए रह किया जाता है।

दिनांक 30 नवम्बर 1988

सं० 18-सी० डब्ल्यू० आर० (195)/88—वी कास्ट ए०ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशस्स 1959 के विनियम 18 का अनुसरण कर यह अधिसूचित किया जाता है कि दी इन-सिट्च्यूट आफ कास्ट ए०ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया के परिषद् ने कहे हुए रेग्युलेशस्स के विदियम 17 हारा दिये गय अधिकारों का प्रयोग करते हुए थी वाई० डी० सारदता, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, वी-2/175, सफदरजंग इन्कलेव, न्यू दिल्ली-11002५ (सदस्यता सस्या एम/2102) के नाम को 30 सित्यवर, 1988 से सदस्य पंजिका में पुनः स्थापित किया।

दिनांक 8 दिसम्बर 1988

मं 116-सी उड्ल्यू व्यार (867)/88—वी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेणन्स 1959 के विनियम 16 का श्रनुसरण कर यह अधिप्रृष्टित किया जाता है कि दी इन्स्टिच्यूट श्राफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स श्रॉफ इंडिया के परिषद् ने कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स श्रॉफ इंडिया के परिषद् ने कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स श्रिधिनियम 1959 की धारा 20 की उप धारा (1) द्वारा दिये गये श्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए श्री ए० माश्याम, बी० एस० सी०, ए० श्राई० सी० डब्ल्यू० ए०, पी० श्रो० बाक्स-4290, दार-इम-मलाम तेनजानिया, ईस्ट श्रफीका (सदस्यता संख्या एम/ 2636) के नाम को उनकी मृत्यु के कारण 19 नवम्बर 1988 से सदस्य पंजिका से हटा दिया।

डीं० मी० भट्टाचार्या, संचिव

कर्मचोरी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1988

सं० यू०-16/53/84-चि० 2 (कर्नाटक)---कर्मकारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के सबंध में कर्मकारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 प्रप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के प्रमुसरण में, मैं इसके द्वारा बंगलीर के डा० एच० प्रार० देशपांडे को दिनांक 1-1-89 मे 31-12-89 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशों के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो मौजूदा मानकों के श्रनुसार मासिक पारिश्रमिक पर बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण पत्र की सदस्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए जिकित्सा प्राधिकारी के रूप में क्रियं करने के लिए प्राधिक्षत करता हूं।

नरोत्तम व्यासः; (कार्यकारी) महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1988

सं० एन० 15/13/1/1/84—यो० एवं वि० (2)— कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारि राज्य बीमा प्रधिनियम 1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रवस्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 16-12-88 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे जक्त विनियम 95-क तथा ग्रान्धा प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1955 में निद्दिट चिकित्सा हितलाभ ग्रान्धा प्रदेश राज्य के निम्निपिखित क्षेत्रों में बीमोक्ति व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

भ्रथति

"जिला खम्माम में राजस्व मंडल बुरगमपद के प्रधीन राजस्व ग्राम सौरापाका के भ्रन्तर्गत ग्राने वाले क्षेत्र"

सं० एन० 15/13/1/10/87----यो० एवं वि० (2)---कर्मधारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मघारी राज्य बीमा श्रिधिनियम 1948(1948 का 34) की धारी 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिवेशक ने 16-12-88 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा भ्रान्ध्रा प्रवेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1955 में निदिण्ट चिकित्सा हितलाभ म्रान्ध्रा प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागु किये जायेंगे।

श्रर्थात्

''जिला नेलौर में राजस्व मंडल गुडूर के म्रधीन राजस्व ग्राम डिवीपलेम के म्रान्तर्गत म्राने वाले क्षेत्र''।

> ्राप्तः घोषः, निदेशकः (**योजना**्षं विकास)

छावनी बोर्ड

शिलांग छावती, दिनांक जनवरी 1989 शिलांग छावती में भवनों के परिनिर्माण या पुनर्परिनिर्माण की विनियत करने वाली उपविधियों का संशोधन

का० नि० म्रा० सं० 8-35/2/81/सी०—छावनी म्रिधिन्तियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 186 की अपेक्षान्त्रमार मिलांग छावनी में भवनों के परितिर्माण या पुनर्गरिनिर्माण को विनियमित करने वाली उपविधियों का और मंशोधन करने के लिए उपविधियों का प्रार्थ छावनी बोर्ड की सूचना सं० 8-35/2/80/सी नारीख 13 अक्तूबर, 1987 के साथ प्रकाशित की गई थी, जिसमे 11 नवम्बर, 1987 तक मुझाव और श्राक्षेप मांगे गए थे;

श्रौर छावनी बोर्ड को उक्त तारीख तक जनता से कोई याक्षेप या मुझाव प्राप्त नहीं हैं;

ग्रौर केन्दीय सरकार ने उक्त संशोधन उपविधियों को सम्यक रूप से श्रनुमोदन ग्रौर पुष्ट कर दिया है । छावनी बोर्ड निम्नलिखित उपविधियां बनाता है, ग्रर्थात् :---

शिलांग छावनी में भवनों के परिनिर्माण या पुनर्परि-निर्माण को विनियत करने वाली उपविधियों में,--

- (1) उपविधि 1 को उपविधि 1 क के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपविधि 1क के पूर्व निम्नलिखित उपविधि श्रतः स्थापित की जाएगी, ग्रर्थात् :----
 - इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम शिलांग छात्रनी भवन उपविधियां है;
- (II) उपविधि 1क के खण्ड (2) में, एक आना शब्दों के स्थान पर दो रूपए शब्द रखे आएंगे;
- (III) उपविधि 2 में, फुट के एक इंच के आठवें भाग शब्दों के स्थान पर मीटर के मेंटीमीटर के आठवें भाग शब्द रखे आएंगे ;

- (iV) उपविधि 2 के खण्ड (ङ) में, बीस फुट शब्दों के स्थान पर दह मीटर शब्द रखे जायेंगे;
- (V) उपविधि 3 मे, फुट के एक इंच के श्राठवें भाग शब्दों के स्थान पर परमिटर के सेंटीमीटर के श्राटवें भाग शब्द रखे जाएंगे;
- (VI) उपविधि 3-क के खण्ड (1) में 1 ½ फुट श्रंकों श्रीर शब्द के स्थान पर 0.45 मीटर श्रंक के शब्द रखे जायगे;
- (VII) उपविधि 3--क के खण्ड (2) में 9 फुट श्रंक श्रीर शब्द के स्थान पर 3 मीटर श्रंक श्रीर शब्द रखे जायेंगे श्रीर उसके पश्चात निम्नलिखित श्रंतःस्थापित किया जाएंगा : श्रंथीत :---

श्रीर सभी भवनों की कुल ऊंघाई सड़क स्तर से 11 मीटर से श्रीवंक नहीं होगी:

- (VII_I) उपविधि 3-क के खण्ड (3) में, या प्रश्वलित सीमेंट कंकीट स्लेब शब्द अन्त में जीड़े जायेंगे;
 - (IX) उपविधि 3-क में, खण्ड (8) के स्थान पर निम्न-लिखित रखा आएगा, अर्थात :---
 - (8) सङ्क के अन्तिम छोर से तीन मीटर के भीतर जिसके अन्तर्गत मुख्य सड़कों को छोड़कर घृति की श्रीर किसी मोटर चलाने योग्य मड़क के सड़क की तरफ से प्रतितट भी है, कोई भवन परिनिर्मित या पुनःपरिनिर्मित नहीं किया जाएगा। गली, उपगली या पटरी के छीर से एक मीटर की दूरी रखी जाएगी। सड़क के अस्तिम छोर से जिस के अन्तर्गत घृति की श्रोर मुख्य सड़क के सड़क की तरफ, प्रतितट भी हैं, 5 मीटर के भीतर क्येई भवन परिनिर्मित या पुनर्परिनिर्मित नहीं किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए मुख्य सड़कों कि परिभाषा छावनी की सीमा के भ्रन्त तक लुकयर सड़क, बड़ा वाजार रोड़ पूर्वोत्तर परिषद सचिवालय से छावनी की प्रन्तिम सीमा तक श्रीर राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 40 के अन्तर्गत जाने वाला छावनी क्षेत्र होगी। गिल्यां, उपगिल्यां, पटिरियों, मोटर चलाने योग्य सड़कों भ्रीर मुख्य सड़कों के संबंध में अपर यथाविनिदिष्ट खाली रखी जाने बाली दूरी तहखाने को भी समान रूप से लागू होगी। भवन के अस्तर्गत, भवन का कोई भाग, जैसे कि कुर्सी, सीमा दीवार, नी दिया, चब्तरा, खडं जा, निर्गत भाग म्रादि भाता है;

- (X) उप विधि 3-क के खंड (9) में, 8 फुट श्रंक श्रीर शब्द के स्थान पर 2.5 मीटर श्रंक श्रीर शब्द रखे जायेंगे ;
- (XI) उपविधि 3-क केखड (9) में, 8 फुट श्रंक श्रीर शब्द के स्थान पर 2.5 मीटर श्रंक श्रीर शब्द रखे जाएंगे।
- (XII) उपविधि 3-क के खंड (15) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा ग्रथान :---
 - (15) कोई भी भवन भूमितल से 2 मंजिल से प्रधिक नहीं होगा श्रीर भूमितल श्रीर धो मंजिलों के श्रीतिरिक्त श्रनुशात किए जाने वाले तहखाना तल की संख्या, केवल एक तक निग्धित होगी।
 - (XIII) उपविधि 3-क के खंड (16) से संलग्न टिप्पण का णोध किया जाएगा के पश्चात निम्न-लिखित खंड श्रन्त स्थापित किए जाएगे, श्रथति:---
 - (17) मानव निवास के लिए आणियत प्रत्येक कमरे की कम से कम धन धरिता 16.5 धन मीटर होगी।
 - (18) सभी भवनों के संबंध में लागू तल स्थान सूचक (त० स्था० सू०) 0.5 होगा । श्रतः भूधृति के संबंध में भवनों का कुल तल क्षेत्र, स्थल के जुल क्षेत्र के श्राधे से श्रधिक नहीं होगा । भूमि के तल क्षेत्र के श्रन्तर्गत तह-खाना तल, यदि कोई हो, सम्मिलित है;

(XV) उपविधि 4, 5 श्रीर 6 का लोप किया जाएगा। (डी० जी०,डी० श्रा०, रक्षा मंत्रालय, नई विल्ली)। फाइल सं० 121141 सी (एल० एंड सी० 186)

> मी० सी० भोष, छात्रनी कार्यकारी प्रधिकारी

हिप्पण : मूल भवन उपविधियां श्रसम सरकार राजपत श्रिधिसूचना सं० 6005/ए० पी० तारीख 20-7-1932 में प्रकाशित की गई थी; मूल भवन उपविधियों का भारत सरकार के रक्षा मंजालय की श्रिधिसूचना सं० 862 तारीख 28 मई, 1949 हारा संगोधन किया गया था और तत्पश्चाम उनका भारत सरकार के एक्षा मंजालय की श्रिधिसूचना तारीख 24-3-1956 द्वारा संगोधन किया गया।

R. B.I. NOTIFICATION NO. LN/SPL-2/I.F.C. Bonds Dated

In pursuance of Regulation 10 of Industrial Finance Corporation (Issue of Bonds) Regulations, 1949 framed under Section 43 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (XV of 1948) the following list for the half-year ended 31st December 1988 of I.F.C.I. Bonds lost, destroyed etc. in respect of which prima facie grounds exist for believing that the Bonds have been lost and that the claim of the applicant is just, is hereby published. All persons other than the respective claimants named below, who have any claim upon these Bonds should communicate immediately with the Manager, Reserve Bank of India, Bombay-400001.

2. The list is devided into two parts, Part 'A' being the list of securities advertised for the first time and Part 'B' the list of securities previously advertised.

Bond No.	Value in Rs.	In whose name issue	From what date bearing interest	Name (s) of the claimant(s) for payment of discharge value	No. and date of orders issued	Date of publica- tion of the list in which the security was first published,
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
			LIST 'A'			
		NIL			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
		LIST	'B'			
	5 1/	2% I. F. C. Bonds 1978				
BY 000635	10,000/-	Reserve Bank of India	27-9-1976	The Oriental Insurance Company Limited.	Case No. L-1684 vide Jt. Manager's orders dated 19th March 1986 and C. O. Diary No. CO-383 dated 20th March 1986	9-8-86
BY 000636	10,000/-	Do.	Do.	Do	Do.	9-8-86
		6", J. F. C	C. Bonds 1986	i		
BY 001808	5,000/- Reserve Bank of India		10-6- 1984 7	The Muslim Co- operative Bank Limited, Poona	Case No. L-1880 vide Joint Manager's orders dated 25th July 1986 and C·O. Diary No. 44 dated 26th July 1986.	14-3-1987

S. N. RAZDAN MANAGER

Reserve Bank of India Public Debt Office Post Box No. 901 Bombay-400001.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 2nd January 1989

No. 28-RC(4)/20/89.—In pursuance of Regulation 159-(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1988, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify the setting up of a branch of the Central India Regional Council at Varanasi with effect from 17th December, 1988.

The Branch shall be known as Varanasi branch of the Central India Regional Council.

As prescribed under Regulation 159(3) the branch shall function subject to the control, supervision and direction of the Council through the Regional Council and shall carry out such directions as may from time to time be issued by the Council.

> M. C. NARASIMHAN Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS

ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta, the 9th November 1988

No. 16-CWR(864-865)/88.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri P. K. Roy, 17/21 Dayananda Road Durgapur 4 (Membership No. M/3364) with effect from 1st September 1986 on account of death, (2) Shri P. Kukreti, AN 5C Shalimar Bagh, Delhi-110052 (Membership No. M/3756) with effect from 30th June 1988 on account of death.

No. 18-CWR(193)/88.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members the name of Shri Hrishikes Ghosh, 44 Sil Thakur Bari Road, Calcutta-700 038 (Membership No. M/4434) with effect from 30th September 1988

The 17th November 1988

No. 18-CWR(194)/88.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members the name of Shri Dhirendra Jayachand Doshi, BCOM, AICWA, 6, Girish Apartment, Kalyan Road Dombivil (East), Bombay-421 201 (Membership No. M/3898) with effect from 7th November 1988.

The 24th November 1988

No. 16-CWR(866)/88.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by Sub-Section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of Ind'a has removed from the Register of Members, the name of Shri R. P. Chidambaram, 9B, Nehru Road, Madurai-625 016 (Membership No. M/1073) with effect from 24th July 1987 on account of death.

No. 11-CWR(114)/88,—In pursuance of sub regulation (3) of Regulation 11 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri A. S. Aggarwal, B.Sc., AICWA, C-4D, DDA Flats, Munirka New Delhi-110 067 (Member-ship No. M/1756) is cancelled from the 19th October 1988 to 30th June 1989 at his own request.

The 30th November 1988

No. 18-CWR(195)/88.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members the name of Shri V. D. Cardana, BCOM, AICWA, B-175 Safdarjung Enclave, New Delhi-110 029 (Membership No. M/2102) with effect from 30th September 1988.

The 8th December 1988

No. 16-CWR(867)/88.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by Sub-Section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost Works Accountants of India has removed from Register of Members, the name of Shri A. Bhashyam AICWA, P.O. Box 4290, Dar Es Ealaam, Tanzanla, East Africa, (Membership No. M/2636) with effect from 19th November 1988.

D. C. BHATTACHARYYA Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 16th December 1988

No. U/16/53/84-Med. II (Karnt.).—In pursuance of the resolution passed by its meeting held on 25th April 1951, confering upon me the powers of the Corporation under Regulations 1950, I hereby authorise Dr. H. R. Deshpande of Bangalore to function as Medical Authorty with effect from 1-1-1989 to 31-12-1989, or till a fulltime Medical Referce joins, whichever is earlier for Bangalore centre on payment of monthly remuneration in accordance with the existing norms for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

N. VYAS (ACG.) Director General

New Delhi, the 16th December 1988

No. N-15/13/1/1/84-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950, the Director General has fixed the 16th December, 1988 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andlaca Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely:—

"The area within the revenue village of Sarapaka under Burgampad Revenue Mandal in Khammam District."

No. N-15/13/1/10/87-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16th December, 1988 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely:—

"The area within the revenue village of Divipalem under Gudur revenue Mandal in Nellore District.

S. GHOSH Director (Plg & Dev.)

CANTONMENT BOARD, SHILLONG CANTONMENT, MEGHALAYA

Shillong Cantonment, the

1989

AMENDMENTS TO THE BYE-LAWS REGULATING ERECTION OR RE-ERECTION OF BUILDINGS IN SHILLONG CANTONMENT

S.R.O. No. 8-35/2/81/C.—WHEREAS the draft of byelaws further to amend the bye-laws regulating the erection or re-erection of buildings in Shillong Cantonment was published.

shed with Cantonment Board's Notice No. 8-35/2/80/C dated the 13th October, 1987 as required by section 186 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), for inviting objections and suggestions till the 11th November, 1987;

AND WHEREAS no objection or suggestion was received from the public by the Cantonment Board upto the said date:

AND WHEREAS the Central Government have duly approved and confirmed the said amendment bye-laws, the Cantonment Board hereby makes the following bye-laws, namely:—

In the bye-laws regulating the erection or re-erection of buildings in Shillong Cantonment,—

- (i) bye-law 1 shall be renumbered as bye-law 1A and before bye-law 1A, as so renumbered, the following bye-law shall be inserted, namely:— "1. These bye-laws may be called the Building Byelaws of Shillong Cantonment.";
- (ii) in bye-law 1A, in clause (2) for the words "one anna the words" rupees two shall be substituted;
- (i") in bye-law 2, for the words "one eighth of an inch to the foot", the words, one eighth centimetre to a metre" shall be substituted;
- (iv) in bye-law 2, in clause (c) for the words "twenty feet", the words "six metre" shall be substituted;
- (v) in bye-law 3, for the words "one eighth of an inch to the foot", the words "one eighth centimetre to a metre" shall be substituted;
- (vi) 'n bye-law 3-A, in clause (1) for the figures and word "1½ feet", the figure and word "0.45 metre" shall be substituted;
- (vii) in bye-law 3-A, in clause (2), for the figure and word "9 feet" the figure and word "3 metrea" shall be substituted and the following shall be inserted thereafter, namely:—
 - "and the total height of all buildings shall not be more than 11 metres from road level";
- (viii) in bye-law 3-A, in clause (3), the words "or reinforced cement concrete slab" shall be added to the words at the end;
- (ii) in bye-law 3-A for clause (8), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(8) No building shall be erected or re-erected within three metre from the extreme edge of the road including road side berms of any motorable road towards the holding other than main roads. The distance to be kept from the edge of the lane, bye- lane or footpath shall be one metre. No build-

ing shall be erected or re-erected within 5 metres from the extreme edge of the road including road side berms of the main roads towards the holding. The definition of main roads for this purpose shall be Lukier Road upto the boundary end of the Cantonment land and National Highway No. 40 falling within the Cantonment Area. The distance to be kept vacant as specified above in respect of lanes, bye-lanes, paths, motorable Roads and main roads equally applies to the basement floors as well. Building includes any part of the building such as plinth, boundary wall, steps, platform, pavement, projections, etc.";

- (x) in bye-law 3-A, in clause (9) for the figure and word 8 feet", the figures and word "2.5 metres" shall be substituted;
- (xi) in bye-law 3-A, in clause (13), for the figure and word "8 feet" the figures and word "2.5 metres" shall be substituted.
- (xii) in bye-law 3-A, in clause (15), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(15) No building shall have more than 2 storeys above the ground floor and the number of basement floor to be allowed shall be restricted to one only in addition to the ground floor and 2 storeys";
- (xiii) note appended to bye-laws 3-A after clause (16) shall be omitted;
- (xiv) in bye-law 3-A, after clause (16) the following clauses shall be inserted, namely:—
 - "(17) The minimum cubic capacity of every room intended for human habitation shall be 16.5 cubic metres.
 - (18) Floor space Index (FSI) applicable in respect of all buildings shall be 0.5. The total floor area of the buildings in relation to the holding of the land shall, therefore, not exceed half the total area of the site. The floor area of the building includes basement floor if any";
- (xv) bye-laws 4, 5 and 6 shall be omitted.
- (DG, DE, Min. of Def. New Delhi File No. 12/14/C/L&C/86).

B. C. GHOSH Cantonment Executive Officer, Shillong.

NOTE: The principal building bye laws was published in Government of Assam Gazette notification No. 6005-AP dated 20-7-1932. The principal building bye-laws was amended vide Government of India, Ministr of Defence, notification No. 862 dated 28th May, 1949 and subsequently vide Government of India, Ministry of Defence notification dated 24-3-1956.